

देहरादून, 6 अक्टूबर । प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मुख्य सेवाकेंद्र, सुभाष नगर, देहरादून में “मेरा उत्तराखंड, व्यसन मुक्त उत्तराखंड” अभियान का शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

बी.के. डॉ. बनारसी लाल शाह जी (सेक्रेटरी मेडिकल विंग, ब्रह्माकुमारीज़, मुख्यालय – माउंट आबू) ने कहा कि व्यसन के आदी होने का मुख्य कारण तनाव भरा जीवन है । राजयोग से तनाव मुक्ति सहज हो जाती है तो नशा मुक्ति सम्भव हो जाती है । राजयोग ऐसा जादू है कि 10000 मरीजों की दिल की आर्टरी खुल गई । 7 दिन के भीतर राजयोग के अभ्यास से लोगों की शुगर कंट्रोल हो गई । 4500 डॉक्टर ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग से जुड़कर सुस्वास्थ्य की जन जागृति ला रहे हैं । ब्रह्मा कुमारीज़ से जुड़े ऐसे सेवाधारी भाई-बहनें वेतन के स्वैच्छिक रूप से अपना-अपना योगदान दे रहे हैं । नशे से समाज में अशांति, कुरीतियाँ फैल रही हैं । उन्होंने 21 से 24 नवम्बर 2019 तक माउंट आबू में होने वाले मेडिकल विंग के सम्मेलन में डॉक्टरों को आमंत्रित किया । ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका 104 वर्षीय दादी जानकी जी की शुभ कामनाओं को सभी से अवगत कराते हुए उन्होंने उत्तराखण्ड के व्यसन मुक्त होने की शुभेच्छा ज़ाहिर की ।

श्रद्धेय आचार्य शिव प्रसाद ममगई (अध्यक्ष- चारधाम विकास परिषद) ने अपने आशीर्वचन में कहा कि चार धाम में नशे को रोकने के उद्देश्य से वे नशे की रोकथाम की युक्ति सीखने के लिये उपस्थित हैं । उन्होंने याद दिलाया कि समुद्र मंथन से निकलने वाले अमृत का पान देवताओं ने और मदिरा का पान राक्षसों ने किया था । बच्चे अपने बड़ों से बुरी आदतें सीखते हैं । ब्रह्माकुमारीज़ की आध्यात्मिकता से नशे से मुक्ति सम्भव है ।

बी.के. डॉ. सचिन परब जी (वरिष्ठ प्रशिक्षक – व्यसनमुक्ति – ब्रह्माकुमारीज़ आबू पर्वत) ने सभाजनों के साथ व्यसनमुक्ति के सम्बंध में अनुभव व जानकारी साझा की । उन्होंने कहा कि नशा बुरा नहीं है, सकारात्मक नशे से जीवन का सच्चा आनन्द लेना आना चाहिये । स्कूल – कॉलेज के बच्चों और युवाओं को खासकर बचाने की ज़रूरत है । नशे से बचने और इसे रोकने के लिये दृढ़-इच्छा चाहिये । ब्रह्माकुमारीज़ संस्था गाँव-कस्बे-स्कूल-कॉलेज के स्तर पर नशे की रोकथाम के लिये सकारात्मकता – निर्माणता – आध्यात्मिकता – राजयोग मेडिटेशन जीवनशैली का प्रसार कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 30 दिनों तक यह अभियान अपनी पूरी टीम के साथ समस्त गढ़वाल में जन- जागृति लाने की सेवा करेगा । **उन्होंने सभाजनों जो नशे से सदा दूर रहने और दूसरों को भी ऐसी प्रेरणा देने की प्रतिज्ञा कराई ।**

डॉ. बी. के. एस. संजय (इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, देहरादून) ने सर्वांगीण स्वास्थ्य पर बल दिया । उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य है तो आशा है । सामाजिक ऋण को चुकाने की हम सबकी ज़िम्मेदारी है । सड़क-दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों का मुख्य कारण ‘नशा’ है । आदतें बचपन में पड़ती हैं, इसलिये बचपन को नशे से बचाना ज़रूरी है । उन्होंने इस अभियान में अपना पूर्ण सहयोग देने का वचन दिया ।

डॉ. बी.के. रामप्रकाश जी (प्रभारी – मेडिकल विंग, पंजाब ज़ोन, ब्रह्माकुमारीज़, हिसार) ने सुनाया कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाई जाने वाली राजयोग जीवन पद्धति को अपनाने से अनेक भाई-बहनों ने नशे की लत से मुक्ति पाई है। उन्होंने सभी से इस अभियान को सफल बनाने के लिये रोज़ 5-10 मिनट शुभ संकल्पों का योगदान देने का आह्वान किया ।

भाता अशोक कुमार जी ( ए.डी.जी.पी. कानून व व्यवस्था ) ने आधुनिक युग के विकार – नशे से युद्ध की सराहना की । ड्रग्स दुनिया का सबसे बड़ा संगठित अपराध है । ड्रग्स की माँग और आपूर्ति, दोनों को बाधित करना आवश्यक है । गरीब बच्चों को भिक्षा नहीं, शिक्षा देनी चाहिये ।

डॉ. संजय कुमार गोयल (अध्यक्ष – आई.एम.ए.) ने निवेदन किया कि भारतीय सिनेमा भारत का बहुत बड़ा, व्यापक तथा प्रभावशाली शैक्षिक संस्थान है जिसको नशे के प्रसार से बचना चाहिये ।

बी.के. मंजू दीदी जी ( सबज़ोन इंचार्ज – ब्रह्माकुमारीज़, ) ने सर्वप्रथम सभी का स्वागत किया और संकल्प दिया कि इस देवभूमि को वास्तव में बीड़ी, सिगरेट, शराब, आदि व्यसनों से मुक्त देवभूमि बनायें ।

बी. के. डॉ. रामबाबू जी ( सेवानिवृत्त – निदेशक हेल्थ सर्विसेज़ – उत्तर प्रदेश) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया ।

मंच संचालन ब्रह्माकुमार सुशील जी ने किया ।

Photo Caption-

Dehradun-1-दीप प्रज्ज्वलित करते हुए बी.के मंजू, डॉ रामबाबू,बी.के बनारसी लाल शाह,आचार्य शिव प्रसाद ममगई, डॉ. रामप्रकाश

Dehradun-3 -व्यसन मुक्ति की शपथ लेते हुए श्रोतागण ।

Dehradun-4 आचार्य शिव प्रसाद ममगई को ईश्वरीय सौगात देते हुए डॉ. बनारसीलाल, डॉ. सचिन परब व् बी.के मंजू

Mussoorie photo -मसूरी में व्यसन मुक्ति के बारे में बताते हुए डॉ. सचिन परब, साथ में डॉ. अमित, डॉ. रामबाबू व् डॉ. रामप्रकाश

Dhanulti stage - धनोल्टी में व्यसन मुक्ति के बारे में बताते हुए डॉ. रामबाबू साथ में डॉ. अमित, डॉ. सचिन परब, नरेंद्र रावत व् अन्य बहनें ।

ईश्वरीय याद में

बी.के. मंजू